विनिर्माण-बिजली के प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन 11.5% बढ़ा

अगस्त में 131.4 अंक रहा आईआईपी, जो कोरोना पूर्व स्तर से नीचे

नई दिल्ली। विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई में 11.5% वृद्धि दर्ज की गई। इससे औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) बढ़कर 131.4 अंक पहुंच गया, जो जुलाई, 2020 में 117.9 अंक रहा था।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल के कम आधार प्रभाव की वजह से औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, उत्पादन स्तर अब भी कोरोना पूर्व स्तर यानी जुलाई, 2019 के 131.8 अंक से थोड़ा नीचे है। जून, 2021 में यह 13.6 फीसदी बढ़ा था, जबकि जुलाई, 2020 में महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित रहने से 10.5 फीसदी की गिरावट रही थी। आंकड़ों के अनुसार, सकल औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 77.63 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जुलाई, 2021 में 10.5 फीसदी बढ़ा। खनन क्षेत्र में 19.5 फीसदी और बिजली उत्पादन में 11.1 फीसदी की बढ़ोतरी रही। इस दौरान पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 29.5 फीसदी बढ़ा। टिकाऊ उपभोक्ता सामान के उत्पादन में 20.2 फीसदी तेजी रही। हालांकि, उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन 1.8% घटा है। एजेंसी

34.1% बढ़ा आईआईपी चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई के दौरान